# देवी अहिल्या विश्वविद्यालय,इन्दौर

*: : प्रेस–विज्ञप्ति : :*

इन्दौर । सेवानिवृत्त एयर मार्शल हरीश मसंद ने कहा कि 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्व के दौरान इण्डियन एयर फोर्स (आय.ए.एफ.) ने दो दिनों मे पूर्वी पाकिस्तान के आकाश को अपने कब्जे मे कर लिया था, जिसके कारण भारतीय थल सेना एवं नौ सेना आसानी से आगे बढ़ सकी थी । इसी के चलते पाकिस्तान की सेना को आत्म समर्पण करना पडा था ।

हरीश मसंद देवी अहिल्या विश्वविद्यालय तथा एयरफोर्स वेटरन्स एसोसिएशन, इन्दौर चेप्टर के संयुक्त तत्वावधान में 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्व के स्वर्णिम विजय वर्ष के उपलक्ष्य में आई.ए.एफ. के 35 सेवानिवृत्त वायु योद्वाओं के सम्मान समारोह में सम्बोधित कर रहे थे । आजादी की 75 वी वर्षगॉठ के अवसर पर यह समारोह विश्वविद्यालय के खण्ड़वा रोड़ स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया । श्री मसंद ने कहा कि 14 दिसम्बर, 1971 को हमे मालूम पडा की ढाका के गर्वनर हाऊस में बैठक हो रही है हमने गुवाहाटी के पास से उड़कर गर्वनर हाऊस को उडा दिया 15 दिसम्बर को हमने पूर्वी पाकिस्तानी सेना के गढ ढाका विश्वविद्यालय पर हमला किया जिसकी वजह से 16 दिसम्बर को पाकिस्तानी सेना को समर्पण करना पड़ा । और बांग्लादेश के उदय के साथ विश्वस्तरीय भोगोलिक परिवर्तन हुआ ।

दे.अ.वि.वि. इन्दौर की कुलपति डॉ.रेणु जैन ने कहा कि बांग्लादेश के निर्माण में भारतीय वायु सेना का अहम योगदान रहा है । जरूरी नही है कि सभी व्यक्ति सेना में सम्मिलित होकर बॉर्डर पर रहे, हम सब अपने अपने स्थान पर रहकर देश के उत्थान में सहयोग कर सकते है ।

सेवानिवृत्त विंग कमाण्डर परमिन्दर सिंह क्वात्रा ने कहा कि फाइटर पायलट बनने में कई वर्ष लगते है लेकिन हमने 24–25 वर्ष की उम्र में 1971 का युद्व लड़ा । हम सौभाग्यशाली रहे कि इतनी कम उम्र में हमे देश की सेवा का मौका मिला ।

कुलाधिसचिव प्रो. अशोक शर्मा ने 1971 युद्व के दौरान अपने बचपन के अनुभव को साझा किया । उन्होने सभी योद्वाओं को बधाई देते हुए इस कार्यक्रम के लिये एयरफोर्स वेटरन्स एसोसिऐशन, इन्दौर चेप्टर का शुक्रिया अदा किया ।

निरन्तर–2

शहीद हुए भारत के प्रथम चीफ ऑफ डिफेन्स स्टॉफ (सी.डी.एस) जनरल विपिन चन्द्र रावत एवं उनके साथियों को पुष्पाजंलि अर्पित करने के पश्चात दो मिनिट को मौन रखा गया । तत्पश्चात सन–1971 के युद्व की एक ऑडियो विजुअल क्लीपिंग प्रदर्शित की गई जिसको देखकर सभागृह में मौजुद सभी अतिथिगण एवं दर्शक गौरावान्वित महसूस करने लगे । कार्यक्रम की आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो.आशुतोष मिश्रा ने अपने स्वागत भाषण में मंचासीन अथितियों के साथ ही सभागृह मे मौजूद सभी वायु योद्वाओं का स्वागत किया । तत्पश्चात एयरवेटरन बी.आर.लाभांते ने एयरफोर्स के इतिहास के साथ ही साथ कार्यक्रम के आयोजन के बारे में जानकारी दी ।

कुलपति प्रो.रेणु जैन ने पार्श्व में बज रही देश भक्ति की धुनों के साथ भारतीय वायु सेना के सेवा निवृत्त वीर योद्वाओं को सम्मानित किया । एयर मार्शल हरीश मसंद, प्रो.अशोक शर्मा, कुलाधिसचिव, डॉ.अनिल कुमार शर्मा, कुलसचिव एवं कर्नल के.एस.सिरोही विशेष अतिथि थे । सम्मानित होने वाले योद्वाओं में प्रमुख रूप से वीर चक्र, वायु सेना मेडल से अलकृंत सेवानिवृत्त एयर मार्शल हरीश मसंद, वायुसेना मेडल (गैलेन्ट्री) सेवानिवृत्त ग्रुप केप्टन रमेश चन्दानी, वीरचक्र से अलकृंत विंग कमाण्डर परमिन्दर सिंह क्वात्रा, सेवानिवृत्त विंग कमाण्डर सुभाष के.चितले, सेवानिवृत्त विंग कमाण्डर उदय जोगलेकर, सार्जेन्ट शरदचन्द्र वैघ, रमेश बलंग, जे.डी.सिंग, सी.एस.भाटिया, डी.सी.आचार्य जी शामिल थे । इस अवसर पर दो शहीद वायु योद्वाओं की पत्नियों श्रीमती शीला मेहरूनकर एवं श्रीमती कुमारन को भी सम्मानित किया गया ।

इस गरिमामय कार्यक्रम का संचालन प्रो.शोभा चतुर्वेदी ने किया। सेवानिवृत्त जूनियर वारण्ट आफिसर रमेश बाबू विघार्थी ने इतनी बडी संख्या में वायु योद्वाओं को सम्मानित करने के लिये विश्वविद्यालय का आभार माना ।

आज़ादी का
अमृत महोत्सव
1971 भारत–पाकिस्तान युद्ध
के
का सम्मान समारोह
24 दिसम्बर 2021

Dr. RENU JAIN

आज़ादी का
अमृत महोत्सव
1971 भारत–पाकिस्तान युद्ध
के